नोट्स

B.A. Part-III (Hon's)
Subject — Geography
Paper — VI (Human Geography)

Unit — IIIrd

Gulam Haider

①-b

ESKIMO

B

एस्कीमो बुशमैन की तरह ही विषम वातावरण में आखेट द्वारा जीवन व्यतीत करने वाले हैं। अन्तर यह है कि इनका वातावरण अति शीतल जलवायु से प्रभावित है। ये उ० अमेरिका, ग्रीनलैंड, उत्तरी-पूर्वी एशिया में जहाँ साल के नौ (9) महिने तापमान 32°F के नीचे पाये जाते हैं। जाड़े की ऋतु अत्यधिक लम्बी तथा कठोर शीत वाली होती है। वर्षा हिम के रूप में होती है तथा कभी-2 भयंकर बर्फीली आंधियाँ चलती हैं। वनस्पति का नामोनिशान नहीं रहता गर्मी -25°F से 50F तक पड़ती है। ग्रीष्म ऋतु लगभग तीन महिनों की होती है, और कभी भी 50F से ऊपर नहीं जाती ऐसे ही क्षेत्र में स्वयं ऐसी ही वातावरण में Eskimo जाति के लोग निवास करते हैं।

परिवार :→ Eskimo स्थानान्तरण शील होने के कारण इनका सामाजिक बंधन ढीला रहता है। यद्यपि इनमें भी मुखिया होता है, लेकिन उसकी बात मानने की बाध्यता नहीं होती। क्योंकि आखेट अभियानों जैसे बसन्त ऋतु में शील का शिकार, ग्रीष्म में कैरिबू का शिकार तथा ह्वेल के शिकार में उन्हें सामुहिक प्रयास करना पड़ता है। अतएव कुशल शिकारी को समाज में अधिक आदर होता है।

शादी-विवाह :→ Eskimo में बहुपत्नी प्रथा का प्रचलन है। साथ ही एक स्त्री से कई पुरुषों के साथ रह सकती है। चरित्र का कोई महत्वपूर्ण स्थान समाज में नहीं है। कभी-2 अपनी वीरता सिद्ध करने के लिए एक Skimo दूसरे Skimo की पत्नी का हरण करता है। इस हालत में पहले वह उस व्यक्ति की हत्या करके उसकी विधवा से शादी कर लेता है।

वस्त्र :→ (Clothing) :→ टुण्ड्रा प्रदेश में लगभग सालों भर बर्फ का साम्राज्य रहता है। ऐसे वातावरण में ये अपने शरीर को शील की खाल से ढकते हैं। चमड़े ही इनके वस्त्र हैं। चमड़े के वस्त्र के रूप में सीने के लिए पशुओं की हड्डी से बनी सुई तथा उनके नसों को धागे के रूप में प्रयोग करते हैं। स्त्री-पुरुष सभी का वस्त्र लगभग एक ही समान होता है।

आवास :→ खानाबदोश (Nomad) जाति के होने का अर्थ ही होता है स्थायी घर नहीं रहना। जाड़े में ये अधिकतर एक ही क्षेत्र से जुड़े रहते हैं, परन्तु बसन्त ग्रीष्म ऋतु में भ्रमण शील रहते हैं। शिकार की खोज में ये एक जगह से दूसरी जगह स्थानान्तरण करते रहते हैं। तथा कुत्तों में ये एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं। ग्रीष्म ऋतु में ये टेन्टों में रहते हैं, जो खूंटे और चमड़े के बने होते हैं। इनके खूंटे में प्राप्त बाहर आयी हुई किनारी लकड़ी के होते हैं या ह्वेल मछली की बड़ी हड्डी से बनी होती है। शीत ऋतु में इन्हें अधिक सुरक्षित गृह की व्यवस्था करनी पड़ती है। ये पत्थर की दिवार बनाकर उनके ऊपर पत्थर या स्लेट की छत डाल देते हैं, उसके ऊपर ग्रीष्म ऋतु वाला तम्बू डालकर ढँक देते हैं ऐसे घरों को Igloo या Igloo yak (यार्क) कहते हैं। घर के अन्दर सील या अन्य पशुओं की चर्बी प्रकाश एवं गर्मी के लिए जलाते हैं, जिससे प्रकाश मिलता है तथा गर्मी बनी रहती है।

भोजन :→ एस्कीमों का आहार मांस है जो सील, वालरस, कैरिबो, रेडियर, भेड़िया, लोमड़ी आदि से प्राप्त होता है। ये मांस कच्चा ही खाते हैं। शीत प्रधान वातावरण में मांस को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है, लेकिन ये लोग आवश्यकता से अधिक शिकार प्राप्त होने पर उसे अन्य लोगों में बाट देते हैं संचय नहीं करते। कभी-2 जाड़े में जब शिकार करना कठिन हो जाता है, तब उन्हें भुखमरी का सामना करना पड़ता है। Skimo शीत प्रधान मरुस्थलों के खानाबदोश जाति है। ये लुटेरे नहीं होते। ये सामुद्रिक जानवरों जिनकी वहाँ बहुतायत रहती है, शिकार कर उनके मांस पर अपना जीवन बसर करते हैं।

आर्थिक जीवन

शिकार :→ Eskimo समुद्र में पाये जाने वाले जीव-जन्तु सील, वालरस, तथा अन्य मछलियों के आखेट पर पूर्णतः निर्भर हैं। शीत ऋतु में शील ही इनके भोजन का प्रधान स्रोत है। शील जल के जमे हुए सतह के नीचे पड़ा रहता है। Skimo ऐसे ही छेदों में लकड़ी गाड़कर उसके आने की प्रतीक्षा करते हैं शील का उपस्थिति का पता Eskimo के कुत्ते सूंघकर लगाते हैं। जाड़े की ऋतु Skimo के के लिए कठिन होती है क्योंकि रातें बड़ी होने के कारण अन्धेरे का साम्राज्य रहता है। अंधेरे में वह दूर तक शिकार करने नहीं जा पाता। तथा जल थल के बर्फ से ढके रहने के कारण शिकार ढूंढ पाना कठिन होता है। ग्रीष्म ऋतु में मौसम अच्छा होता है, तथा बर्फ पिघलने लगती है। स्थल भाग पर माष, लाइकेन के चरने के लिए कैरिबो तथा रेडियर आदि जानवर आ जाते हैं। साथ ही कई प्रकार के पक्षी, भालू, भेड़िया, लोमड़ी आदि प्रकट होते हैं। अतः ये सभी जानवर Skimo के लिए भोजन

Scanned with CamScanner

का काम करते हैं। स्थल से उन्हें इतना भोजन प्राप्त नहीं होता, जितना की समुद्र से। समुद्र में भी व्हेल तथा अन्य ~~मछ~~ मछलियों की बहुतायत हो जाती है। Eskimo चमड़े की बड़ी नाव द्वारा शिकार करते हैं। व्हेल का शिकार प्रायः सामूहिक होता है। ग्रीष्म ऋतु में सील भी धूप सेवन के लिए ऊपर आ जाते हैं। सील की खाल पहनकर Skimo भी उनकी आदतों का अनुकरण करता हुआ उनके नजदीक पहुँचकर पकड़ लेता है।

उपकरण (Element) :→ Skimo जाति के लोग औजार तथा अन्य उपकरण बनाने में आदिम जातियों में अग्रणी हैं। ये जानवरों की हड्डियों से स्लेज गाड़ी बनाते हैं जिसे कुत्ते खींचते हैं। इसी प्रकार समुद्र में आखेट करने के लिए चमड़े की नाव इस ढंग से बनाते हैं जिसमें पानी का प्रवेश नहीं हो सके। शिकार करने के लिए हड्डी के बने औजार, हारपून का प्रयोग करते हैं। ये कई प्रकार की भालों का भी व्यवहार करते हैं। बड़ी बड़ी मछलियों को पकड़ने के लिए जाल बनाते हैं, जिसका ये प्रयोग करते हैं। वे चमड़े को आपस में सीकर तम्बू बनाने तथा वस्त्र बनाने में प्रवीण होते हैं। यही कारण है कि आदिम जातियों में Skimo विभिन्न प्रकार के उपकरण बनाने में कुशाग्र बुद्धि वाला माना जाता है।

वातावरण से सम्बन्ध

अन्य बाहरी लोगों के सम्पर्क में आने से Skimo के रहन-सहन में परिवर्तन हुए हैं। अब वह अपने पारम्परिक उपकरणों के साथ-2 विकसित लोगों से प्राप्त बंदूक का भी उपयोग करता है। हड्डी की सुई का स्थान लोहे की सुई ने ले लिया है। परन्तु अभी भी वह स्थानीय वातावरण के वश से पूर्णतः प्रभावित है उनका भोजन अभी भी माँस है, क्योंकि इस ~~वात~~ वातावरण में कोई अन्य ~~खाद्य~~ सामग्री उपलब्ध नहीं है। वस्त्र तथा आवास भी स्थानीय संसाधनों के अनुरूप है। आखेट की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण दक्ष शिकारी का प्रतिष्ठा मिलती है। भूख लगने पर वह किसी से माँस उधार लेकर नहीं खाता क्योंकि इससे उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है। इस समाज में पुरुषों का काम शिकार करना तथा स्त्रियों का काम खोलों में रहकर भीतरी काम करना। पुरुष शिकार का वही खाता नहीं था बल्कि स्त्री बच्चों में बाँटकर खाता है। इस प्रकार Skimo के भोजन वस्त्र आवास एवं सामाजिक संगठन पर प्राकृतिक वातावरण का प्रत्यक्ष प्रभाव झलकता है।

आधुनिकीकरण

श्वेत जाति के सम्पर्क से कनाडा के 17000 Skimo के जीवन में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। द्वितीय महायुद्ध के बाद राडार एवं हवाई अड्डों पर उन्हें नौकरियाँ मिलने लगीं। 1920 तक फरदार पशुओं को पकड़ने का धंधा महत्वपूर्ण हो गया। सरकारी प्रोत्साहन से उन्हें पहले से तैयार स्थायी बस्तियों में तैयार कर नक्काशी, पेंटिंग आदि धंधों में लगाया गया।

अतः उनका खाना बदोश जीवन तथा बर्फ के घरों या तम्बुओं में रहने की प्रथा अब नये घरों और नये बनाये मकानों के कारण समाप्त प्राय है।